कलम का सौदा

हिन्दी साप्ताहिक

राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

www.kksnews.com

वर्ष 16 अंक 39 हरिद्वार 16 मई 2022 डाक पंजीयन संख्या: UA/DO/DDN/275/2015-2017 R.N.I. No. UTTHIN/2006/17725 मूल्य 1रुपया पृष्ठ 4

नामांकन से पहसे सीएम धामी का रोड शो

◆ खटीमा, बनबसा में भव्य स्वागत

चंपावत (संवाददाता)। उत्तराखंड में चंपावत उपचुनाव सियासी केंद्र बना हुआ है। आज पार्टी के तमाम दिग्गजों के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी नामांकन के लिए पहुंचे हैं। वह यहां जनसभा भी करेंगे। चंपावत में 31 मई को उपचुनाव होना है और तीन जून को नतीजा आएगा। सीएम के सामने कांग्रेस ने महिला प्रत्याशी निर्मला गहतोड़ी को मैदान में उतारा है। बता दें, कि धामी को सीएम की कुर्सी पर बने रहने के लिए उपचुनाव जीतना जरूरी है। वह खटीमा से विधानसभा चुनाव हार गए थे। यहां पढ़ें नामांकन के पल-पल के अपडेट...

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उपचुनाव में अपनी जीत को लेकर आश्वस नजर आ रहे हैं। सीएम धामी का काफिला कुछ ही देर में नामांकन स्थल पहुंचेगा। इसी बीच वह लोगों से जनसंपर्क भी कर रहे हैं। बता दें, सीएम धामी इससे पहले यहां रोड शो कर चुके हैं। उपचुनाव की तिथि घोषित होने के बाद से सीएम इस क्षेत्र में सक्रिय हो गए थे।

चंपावत में भाजपा दिग्गजों का जमावड़ा

बस कुछ ही घंटे बाद सीएम धामी उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। भाजपा के दिग्गज नेता रविवार से ही चंपावत में डेरा जमाए हुए हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक रविवार को ही चंपावत के लिए रवाना हो गए थे। पार्टी के पदाधिकारियों के अलावा प्रदेश सरकार के मंत्री भी मुख्यमंत्री के नामांकन के लिए पहुंचे हैं। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी भी रविवार को ही चंपावत के लिए रवाना हो थे।

पुष्कर सिंह धामी का रोड़ शो

उपचुनाव को भाजपा हल्के में नहीं लेगी

चंपावत विधानसभा उपचुनाव को भाजपा हल्के में नहीं लेगी। पार्टी इस चुनाव में जीत का नया रिकॉर्ड बनाना चाह रही है। इसलिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने प्रतिद्वंद्वी दलों के प्रत्याशी चाहे जैसे भी हों, पार्टी पूरी गंभीरता के साथ चुनाव लड़ेगी।

बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के लिए हरिद्वार से हेली सेवा शुरू

◆ यात्रियों को मिलेगी राहत

हरिद्वार (संवाददाता) । देवभूमि उत्तराखंड में संक्रमण से राहत मिलने के बाद चारधाम यात्रा भी शुरू कर दी गई है। यात्रा के लिए टैक्सी और यात्री अपने निजी वाहनों से जा रहे हैं। यात्रियों को धर्मनगरी में फोटोमीट्रिक पंजीकरण की भी सुविधा दी गई है। ताकि उन्हें पंजीकरण कराने के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े। अब एक निजी कंपनी की ओर से दो धामों के लिए हरिद्वार पहुंचने वाले यात्रियों के लिए हेली सेवा शुरू की है।

हेलीकाप्टर सेवा से कंपनी की ओर से बदरीनाथ और केदारनाथ धाम तक यात्रियों को पहुंचाया जाएगा। शहर के निकटवर्ती गांव श्यामपुर से हेली सेवा रविवार को शुरू कर दी गई है। यात्रियों के लिए 16 सीटर एमई-17 हेलीकाप्टर लगाया गया है। जो यात्रियों को लेकर बदरीनाथ और केदारनाथ लेकर जाएगा। हेली सेवा शुरू होने से चारधाम यात्रियों के लिए यात्रा और भी आसान बन सकेगी। इससे खासकर बच्चों और बुजुर्गों को यात्रा करने में काफी राहत मिलेगी। रविवार से शुरू हुई हवाई सेवा के पहले दिन 14 यात्रियों को लेकर 16 सीटर हेलीकाप्टर रवाना हुआ। संवाद

एक लाख 35 हजार रुपये का पैकेज

कंपनी ने एक लाख 35 हजार रुपये प्रति यात्री पैकेज बनाया रखा है। इसमें दो रात हरिद्वार में फाइव स्टार होटल में और एक रात बदरीनाथ में रुकने की व्यवस्था कंपनी करेगी। 16 सीटर एमई-17 हरिद्वार से गुप्तकाशी यात्रियों को लेकर जाएगा। इसके बाद यहां से शटल हेली सेवा के माध्यम से यात्री केदारनाथ जाएंगे। केदारनाथ से वापस आने के बाद यात्रियों को फिर 16 सीटर विमान ही बदरीनाथ लेकर जाएगा।

जौलीग्रांट से होगा पिकअप व ड्राप

पिलग्रिम एवीऐशन कंपनी यात्रियों को जौलीग्रांट से पिकअप व ड्राप करेगी। इसके साथ ही यात्रियों को खाना नाश्ता व होटल की सुविधा भी दी जा रही है।

एक लाख 15 हजार में यात्रियों को पूरा पैकेज खाना नाश्ता, होटल व हवाई सेवा का दिया जा रहा है। पहले दिन हरिद्वार से 14 यात्रियों को हवाई सेवा के माध्यम से गुप्तकाशी पहुंचा गया। यहां से शटल हवाई सेवा से यात्रियों को केदारनाथ पहुंचाया गया।

कार के खाई में गिरने से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत

देवप्रयाग (संवाददाता)। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर तोताघाटी में कार के खाई में गिरने से चमोली जिले के बांक गांव निवासी एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में वाहन चालक, उसकी पत्नी व दो बच्चे और उसकी भांजी शामिल है। हादसे का शिकार हुआ परिवार मेरठ से शादी की खरीददारी कर घर लौट रहा था। हादसे में चार दिन बाद दुल्हन बनने जा रही युवती की भी जान चली गई है। रविवार सुबह करीब छह बजे देवप्रयाग से करीब 25 किलोमीटर आगे ऋषिकेश की ओर तोताघाटी के समीप एक कार अनियंत्रित होकर करीब ढाई सौ मीटर नीचे गंगा नदी किनारे जा गिरी।

जीत का नया रिकॉर्ड चाहती है भाजपा, कल नामांकन के दौरान सीएम धामी की होगी बड़ी चुनावी जनसभा

देहरादून (संवाददाता)। चंपावत विधानसभा उपचुनाव को भाजपा हल्के में नहीं लेगी। पार्टी इस चुनाव में जीत का नया रिकॉर्ड बनाना चाह रही है। इसलिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने प्रतिद्वंद्वी दलों के प्रत्याशी चाहे जैसे भी हों, पार्टी पूरी गंभीरता के साथ चुनाव लड़ेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ।

नौ मई को सीएम धामी उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इससे पहले ही चंपावत में भाजपा के दिग्गज नेता डेरा जमा लेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक रविवार को ही चंपावत के लिए रवाना होंगे।

पार्टी के पदाधिकारियों के अलावा प्रदेश सरकार के मंत्री भी मुख्यमंत्री के नामांकन के दौरान उपस्थित रहेंगे। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी भी रविवार को ही चंपावत के लिए रवाना होंगे। उनके अलावा कुछ और मंत्रियों के भी चंपावत जाने की तैयारी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कौशिक के मुताबिक, पार्टी ने प्रत्याशी के नाम और सिंबल आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर दी है। सीएम पुष्कर सिंह धामी के नामांकन के दौरान पार्टी के प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम, सह प्रभारी रेखा वर्मा, पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार व सरकार के कई मंत्री मौजूद रहेंगे। इस दौरान एक भव्य जनसभा भी होगी, जिसमें मुख्यमंत्री चंपावत की जनता से समर्थन की अपील करेंगे।

नामांकन के बाद डेरा जमाएंगे नेता

नामांकन के बाद पार्टी के कई वरिष्ठ नेता चंपावत में ही चुनाव प्रचार की रणनीति को धार देने के लिए वहां डेरा जमाएंगे। पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री, धामी के लिए अपनी सीट छोड़ने वाले पूर्व विधायक कैलाश गहतोड़ी और कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास पहले से ही चुनावी मोर्चे पर डटे हैं।

न्यूज अपडेट्स

केदारनाथ मार्ग पर खाई में गिरने से यात्री की मौत

रुद्रप्रयाग (संवाददाता)। केदारनाथ पैदल मार्ग पर एक यात्री की खाई में गिरने से मौत हो गई। यह दुर्घटना शनिवार देर रात को हुई। पुलिस ने शव को खाई से निकाल लिया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अभी चारधाम यात्रा को शुरू हुए महज छह दिन हुए हैं और यमुनोत्री व गंगोत्री धाम में हृदयगति रुकने से मरने वाले यात्रियों की संख्या दस पहुंच गई है। स्वास्थ्य संबंधी सबसे ज्यादा दिक्कतें यमुनोत्री धाम में सामने आ रही हैं। शनिवार को यमुनोत्री धाम में तीन और यात्रियों ने हृदयगति रुकने से दम तोड़ दिया। ये तीनों यात्री गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के हैं।जानकारी के अनुसार गुजरात से आए जयेश भाई (41) स्वजन के साथ यमुनोत्री यात्रा पर आए थे। शनिवार को यमुनोत्री मंदिर के निकट अचानक उन्हें सीने में तेज दर्द की शिकायत हुई। जब तक स्वजन ने जयेश भाई को अस्पताल पहुंचाया, तब तक वह दम तोड़ चुके थे। इसी तरह यमुनोत्री धाम जाते हुए भंगेली गदेरे के पास मुंबई निवासी देवश्री केदार जोशी (39) की तबीयत अचानक बिगड़ गई।

चलते वाहन में नाबालिग से की छेड़छाड़ और अश्लील हरकत

श्रीनगर गढ़वाल (संवाददाता)। नाबालिग के साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने के आरोप में पुलिस ने आइटीबीपी के जवान को गिरफ्तार किया है। श्रीनगर कोतवाली के एसएसआइ संतोष कुमार ने बताया कि आरोपित 50 वर्षीय पंचकुला हरियाणा के ग्राम रुड़की मानक तबरा का निवासी बलवंत सिंह आइटीबीपी जोशीमठ क्षेत्र में तैनात है। आरोप है के बीते शनिवार देर सांय अपने साथियों के साथ जोशीमठ से श्रीनगर जीप टैक्सी से आ रही नाबालिग के साथ उसने छेड़छाड़ और अश्लील हरकत की। श्रीनगर में जीप से उतरते ही लड़की ने तुरंत बाजार चौकी को इस घटना की सूचना दी। इस पर कोतवाल हरिओम राज चौहान ने दो सिपाहियों की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर कोतवाली लाए। महिला थाने की वरिष्ठ उपनिरीक्षक दीक्षा सैनी को इस मामले की जांच सौंपी है।

सम्पादकीय

सुख और सुकून

कई मायनो में जैसे-जैसे व्यक्ति बड़ा होता जाता है, वह लेने की आशा अधिक करने लगता है। इसलिए बड़े होने पर देने की कला को सरलता से अपनाना कठिन हो जाता है।देने की कला व्यक्ति को जीवन के कई मोड़ों पर असीम खुशी देती है। वे इस संदर्भ में अपना ही उदाहरण देते हुए कहते हैं कि करीब दस साल पहले मेरी ज़मीन के दस्तावेजों में कुछ कमियां थीं। ज़मीन के स्वामित्व या उपयोग को लेकर मुझे आगे चलकर किसी परेशानी का सामना न करना पडे०, इसलिए मैंने उस कमी को कोर्ट से सुधरवाने का निणन्य लिया। मैं स्थानीय कोर्ट गया। शायद वहां उस समय ब्रेक चल रहा था। यह देखकर मैंने वहां उपस्थित व्यक्ति को अपना नाम लिखकर दिया और जज से मिलने की इच्छा प्रकट की। अर्दली पर्ची लेकर चला गया। पर्ची लेकर गए केवल कुछ ही सेकंड हुए होंगे कि तुरंत अंदर से एक व्यक्ति आया और उसने उन्हें चैम्बर में आने के लिए कहा। मैं जैसे ही चैम्बर में दाखिल हुआ तो जज ने आते ही मेरे चरण स्पर्श किए। मैं दंग रह गया। मैंने कहा, 'क्षमा करिए, मैंने आपको पहचाना नहीं।' इस पर जज महोदय मुस्कराते हुए बोले, 'पहले बताइए क्या काम है?'मैंने तुरंत ज़मीन के दस्तावेज उनके सामने रख दिए। उन्होंने उन्हें पढ़ा। मुझे पता था कि इस कार्य के लिए वे गवाह को बुलाएंगे। मैं तुरंत बोला, 'मुझे नहीं मालूम था कि काम इतनी जल्दी हो जाएगा। मैं गवाह कल लेकर आता हूं।' उन्होंने कहा इस काम के लिए गवाह की कोई आवश्यकता नहीं है। सुख और सुकून कहीं बाहर नहीं, केवल देने की कला में छिपा है। अगर यकीन नहीं आता तो आज ही किसी जरूरतमंद व्यक्ति की नि:स्वार्थ मदद कर के देख लीजिए, जवाब आपको स्वयं मिल जाएगा।तब आपने मुझे पैसे दिए और इस तरह मैं दसवीं कक्षा पार कर पाया। अगर आज मैं इस पद पर सुशोभित हूं तो केवल और केवल आप के कारण। मैंने जिस दिन इस पदभार को ग्रहण किया, उसी दिन यह निणन्य कर लिया था कि मैं हर अशक्त व्यक्ति की हरसंभव मदद करूंगा और आपकी देने की कला की इस शृंखला को टूटने नहीं दूंगा।' मैं रुदन भरे स्वर में बोला, 'देने की कला का सुख मिलता है, यह ज्ञात था, मगर अपरिमित एवं अपार मिलता है, यह आज ज्ञात हुआ।'देने की कला व्यक्ति के अंदर सकारात्मक सोच का ही परिणाम होती है।सब कार्य पूर्ण होने पर जज महोदय बोले, 'सर, यह उन दिनों की बात है, जब आप राजनगर हाई स्कूल में कुछ विद्याथिर्यों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करते थे तो उनमें मैं भी एक छात्र था। इसलिए कुछ लोग अनगित बाधाओं एवं कमियों के होते हुए भी देना नहीं भूलते। वे हर मोड़ पर बड़े से बड़ा त्याग करने के लिए तुरंत उपस्थित हो जाते हैं। इसके विपरीत धनी एवं किसी कमी के न होते हुए भी कुछ लोग हर वक्त रोना ही रोते रहते हैं। शायद यही कारण है कि वे हर दम सुख और सुकून को तलाशते रहते हैं।

तपती धरती का जिम्मेदार कौन ?

अजीत द्विवेदी

भारत में इस साल गर्मियां मार्च में ही शुरू हो गईं। फाल्गुन और चैत्र का महीना हल्की ठंड और मौसम के बदलाव वाला होता है। लेकिन इस साल होली से पहले ही गर्मी पड़ने लगी। सर्दियों के बाद बसंत का खुशनुमा मौसम नहीं आया। सीधे गर्मी आई। राजधानी दिल्ली सहित देश के 18 राज्यों के कम से कम 20 शहरों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के मैदानी इलाकों के अलावा पहाड़ों में भी इस साल अप्रैल में भीषण गर्मी पड़ी और तापमान सामान्य से चार-पांच डिग्री ऊपर रहा। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में इस साल अभी तक 21 दिन हीटवेव रही है और उत्तराखंड में चार दिन हीटवेव रही। भारतीय मौसम विभाग ने हीटवेव घोषित करने के लिए मैदानी इलाकों में 45 डिग्री, तटीय इलाकों में 37 डिग्री और पर्वतीय इलाकों में 30 डिग्री की सीमा तय की है।

इसका मतलब है कि हिमाचल प्रदेश में 21 दिन और उत्तराखंड में चार दिन तापमान कम से कम 30 डिग्री से ऊपर रहा। जम्मू कश्मीर में भी 16 दिन हीटवेव रही। एक तरफ यह स्थिति है कि पूरे देश में निर्धारित समय से एक-डेढ़ महीने पहले गर्मी शुरू हो गई और दूसरी ओर यह अध्ययन है कि भारत में ग्लेशियर नहीं पिघल रहे हैं और नदियों के सूखने का खतरा नहीं है। कैटो इंस्टीच्यूट के एक ताजा अध्ययन में आईपीसीसी के उस निष्कर्ष को खारिज किया गया है, जिसमें कहा गया था कि 2035 तक हिमालय के ग्लेशियर पिघल जाएंगे। इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज यानी आईपीसीसी ने 2007 में अपनी रिपोर्ट में 2035 हिमालय के सारे ग्लेशियर गायब हो जाने का अंदेशा जताया था। लेकिन अब कैटो इंस्टीच्यूट के रिसर्च फेलो स्वामीनाथन अंकलेश्वर अय्यर और विजय के रैना ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया है कि हिमयुग की समाप्ति के बाद से यानी कोई साढ़े 11 हजार साल से ग्लेशियर पिघल रहे हैं पर निकट भविष्य में उनके खत्म होने की कोई संभावना नहीं है। इसके कम से कम तीन हजार साल तक बने रहने की संभावना है। आईपीसीसी और कैटो इंस्टीच्यूट के नतीजों में इतना बड़ा अंतर होना इस बात का सबूत है कि जलवायु परिवर्तन का अध्ययन बहुत अधूरा व सतही है और किसी को वास्तविकता का अंदाजा नहीं है।

वास्तविकता वह है, जो दिख रही है। मौसम के मिजाज का बदलाव दिख रहा है और आम लोग इसे महसूस कर रहे हैं। सर्दियों में भयानक ठंड, बारिश के मौसम में बेहिसाब बरसात और गर्मियों में आसमान से आग बरसने की गवाह पूरी दुनिया है। तभी इससे फर्क नहीं पड़ता है ग्लेशियर पिघलने को लेकर किसी इंस्टीच्यूट का अध्ययन क्या बताता है।

हकीकत यह है कि अप्रैल के महीने में भारत के कई पर्वतीय इलाकों में, जंगलों में आग लगी है। पर्वतीय इलाकों में हीटवेव चल रही है और देश के उत्तर, पश्चिमी व मध्य भारत में गर्मी ने अप्रैल के महीने में 122 साल का रिकार्ड तोड़ा है। देश के बड़े हिस्से में अप्रैल में ऐसी गर्मी पड़ी है, जैसी 122 साल में नहीं पड़ी थी।

अप्रैल के महीने में लू चलने का अनुभव कई इलाकों में पहली बार हुआ। सवाल है कि ऐसा क्यों हो रहा है? क्या मौसम का ऐसा मिजाज अचानक हुआ है या यह लंबे समय से हो रहे बदलाव का नतीजा है? मौसम वैज्ञानिक देश में मार्च-अप्रैल में बढ़ी गर्मी के दो-तीन तात्कालिक कारण बता रहे हैं।

एक कारण यह बताया जा रहा है कि पश्चिमी विक्षोभ की अनुपस्थिति की वजह से फाल्गुन-चैत्र के महीने में होने वाली बारिश नहीं हुई और उसी वजह से हीटवेव की स्थिति बनी। यह बात काफी हद तक तार्किक है क्योंकि भारत में बारिश आमतौर पर वेस्टर्न डिस्टरबेंस यानी पश्चिमी विक्षोभ की वजह से ही होती है। पर सवाल है कि इस साल पश्चिमी विक्षोभ की स्थिति क्यों नहीं बनी? एक दूसरे अध्ययन के मुताबिक पूर्वी व मध्य प्रशांत महासागर में ला नीना से जुड़ा एक उत्तर दक्षिण दबाव का पैटर्न होता है, जो सर्दियां खत्म होने के साथ ही खत्म हो जाता है। लेकिन इस बार यह ज्यादा समय तक बना रहा और इसने आर्कटिक क्षेत्र से आने वाली गर्म लहरों से हीटवेव का निर्माण किया। ध्यान रहे प्रशांत महासागर में ही समुद्र की सतह जब औसत से ज्यादा ठंडी हो जाती है तो भारत सहित कई देशों में शीतलहर चलती है।

इसका मतलब है कि भारत में कोल्डवेव या हीटवेव के लिए जितना जिम्मेदार घरेलू हालात हैं उतना ही या उससे ज्यादा हजारों किलोमीटर दूर की जलवायु के हालात भी जिम्मेदार हैं। प्रशांत महासागर और आर्कटिक में होने वाला जलवायु परिवर्तन भी सीधे भारत को प्रभावित करता है। उसकी वजह से अत्यधिक ठंड या गर्मी पड़ती है और ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि पिछले 70 साल में इंसानी गतिविधियों के कारण जलवायु में बहुत तेजी से परिवर्तन हुआ है। धरती लगातार गर्म होती जा रही है।

20वीं सदी और 21वीं सदी के पहले 22 साल में धरती 1.09 डिग्री ज्यादा गर्म हो गई है। इसका मुख्य कारण ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन है।

पिछले दो-तीन दशक में इसे लेकर अनेक अध्ययन हुए हैं, जिनका साझा निष्कर्ष यह है कि ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ने से पृथ्वी की सतह का तापमान बढ़ रहा है और जलवायु गर्म हो रही है। आईपीसीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जैसे जैसे पृथ्वी की सतह का तापमान बढ़ेगा वैसे वैसे अत्यधिक बारिश, अत्यधिक ठंड और अत्यधिक गर्मी बढ़ती जाएगी।

मनुष्य की प्रकृति! उसका सचेतन स्वभाव

सुरेश हिंदुस्थानी

मानव शरीर की जैविक, बायोलॉजिक रचना एक, लेकिन उसकी प्रकृति व व्यवहार के कितने रूप व कितने चेहरे? शायर निदा फाजली का यह लिखा लाजवाब है कि हर आदमी में होते हैं दस बीस आदमी, जिस को भी देखना हो कई बार देखना! इस बात में यदि पूरे मानव समाज को जांचें तो कैसा विकट जंजाल बना मिलेगा। ज मनुष्य को बूझना सचमुच टेढ़ा काम है। वह असंख्य परतें, पहेलियां और प्रवृत्तियां लिए होता है। उसे कई तरह की खुर्दबीनों में जांचा गया है। मनुष्य प्रकृति की पहेली में ही अवतारों-पैगंबर-देव पुरूषों, दार्शनिक-राजनीतिज्ञों-मानवशास्त्रियों ने कई धर्मशास्त्र लिखे। कितने ही महाकाव्य और महाग्रंथ रचे। लेकिन सार क्या?

मनुष्य में क्या ऐसा खास है, जिससे वह शेष जीव-जंतुओं से अलग है? मनुष्य की प्रकृति! उसका सचेतन स्वभाव। अनुभवों की क्रियाशीलता। मनुष्य जिंदगी को चेतनता में जीता है? संभव है उसकी चेतनता अधिकांश समय परस्पर मानवीय रिश्तों पर केंद्रित होती हो। मनुष्य वह प्राणी है जो अपने अहम पर बाकी प्राणियों से व्यवहार बनाता है। मनुष्य का इस तरह क्रियाशील होना, जैविक शरीर में बिल्ट-इन डीएनए की प्रकृति से है। मनुष्य जीव जगत में चित्त, चरित्र, प्रवृत्तियों, स्वभाव, आचरण में बिरला है। उसका इस तरह बिरला होना कैसे है? क्या राज है? जवाब में असंख्य कहानियां हैं, कल्पनाएं हैं। फलसफे हैं। धर्म, दर्शन और विज्ञान ने इस पर बहुत कुछ बताया है। धर्म और दर्शन क्योंकि मनुष्य के अतीत और राजनीति की दास्तां की बुनियाद हैं तो इनकी व्याख्या पर इन विषयों पर विचार करते हुए गौर करेंगे। फिलहाल मनुष्य प्रकृति को समझना उद्देश्य है तो विज्ञान ने अब तक मनुष्य प्रकृति का जो सप्रमाण खुलासा किया है उसी अनुसार ह्यूमन के खास होने की विज्ञान सम्मत कहानी समझनी चाहिए।

जैविक रचना के दो आधार हैं। एक, वंशानुगत बीज, डीएनए। दो, बीज अंकुरण के बाद का लालन-पालन, खाद-पानी, आबोहवा, परिवेश और भूगोल! वंशानुगत बीज अपने गुण-अवगुण में क्या एक से हैं, या भीतर में जैविक भिन्नता से अलग-अलग किस्म के? इस सवाल पर मतभेद है। यदि बीज की किस्म से अंतरनिहित स्वभाव का फर्क है तो समझ सकते हैं कि सभी मनुष्य क्यों नहीं अपनी प्रकृति में एक जैसे हैं। बीज की प्रकृति, नेचर से बना जन्मजात जैविक शरीर जब लालन-पालन याकि पोषित होता है, भूगोल-परिवेश के बाहरी प्रभावों के नेचुरल सेलेक्शन में ढलता है तो उम्र के साथ शरीर अनुभवों की जैविकता पाता जाता है। इसलिए मनुष्य निर्माण की दो अवस्था, दो चरण हैं। एक, भ्रूण से जगत में जन्मने की खाली स्लेट वाली अवस्था और दूसरी, आंख खुलने, इंद्रियों के जगने से शुरू अनुभवों का जैविक विकास। सवाल है वंशानुगत डीएनए की मूल नेचर बनाम नर्चर (जन्मजात बनाम पोषित) में कौन निर्णायक है? इन दोनों में किसका, किस अनुपात में मनुष्य की प्रकृति को बनवाने वाला रोल है? यक्ष प्रश्न है कि मनुष्य प्रकृति क्या ईश्वर से वरदान है? विज्ञान ऐसा नहीं कहता। वह मानव शरीर की चेतना, आत्मा, बुद्धि, स्वभाव में मोटा मोटी डीएनए व विकासवाद की व्याख्या में मनुष्य प्रकृति का खुलासा करता है। कह सकते हैं सर्वमान्य जवाब न विज्ञान का है और न धर्मप्रवर्तकों, दार्शनिकों-विचारकों के चिंतन-मनन से निर्मित सत्य की लकीर है। पिछले छह हजार वर्षों से सुमेर, सिंधु घाटी के ऋषि-मुनियों, फिर ग्रीक दार्शनिकों ने मनुष्य प्रकृति पर बहुत विचारा है। उस नाते सच्चाई है कि मनुष्य अपने आप पर हैरान होते हुए दिव्य कल्पनाओं में जीता आया है। वह लगातार यह धारणा बनाए रहा है कि मनुष्य का विशिष्ट होना प्रमाण है कि ऐसा दैव शक्ति की लीला से है।

ईश्वरीय दिव्यता से मनुष्य है। वह ईश्वर निर्मित है और कर्म फल भोगता होता है। स्वर्ग-नरक का सुख-दुख पाता है। पृथ्वी लोक का तानाबाना क्योंकि ईश्वरीय ऊर्जाओं से गुंथा हुआ है इसलिए पर्यावरण की अच्छी-बुरी ऊर्जाओ के ज्वार-भाटे, उनकी तरंगों से मनुष्य का स्वभाव प्रभावित रहता है।

कोई राम बनता है तो कोई रावण। कोई अहंकार में जीता है और कोई मर्यादाओं में। ईश्वरीय लीला से पृथ्वी पर बाकी जितने जीव-जंतु हैं उनके व्यवहार के आवेगों, संवेगों में मनुष्य प्रकृति में भी गुण-अवगुण स्थितिक ऊर्जाएं होती हैं। तभी पृथ्वी के आठ अरब लोगों की आबादी स्वभाव के अलग-अलग भभकों की नियति में जीती हुई है। जन्मजात जैविक रचना एक होते हुए भी मनुष्यों का जीवन अलग-अलग है। वे हंस-परमहंस या शेर की तरह या भेड़-बकरी व भेड़िया जैसी प्रवृत्तियों की प्रकृति में जिंदगी गुजराते हैं। मनुष्य दिमाग के बारीक नैनो, सचेतन, चेतन, अचेतन या अंतरचेतना की अलग-अलग अवस्थाओं का यह पेचीदा मसला है। सुकरात, प्लेटो, अरस्तू से लेकर, तमाम धर्मप्रर्वतकों, असंख्य धर्मगुरूओं से लेकर आधुनिक चिंतकों कार्ल मार्क्स, रूसो आदि ने मनुष्य स्वभाव के विचार में अपने को बहुत खपाया है।

लोगों की प्रकृति को बदलने की हर संभव कोशिश हुई। लेकिन परिणाम? मोटा मोटी पिछले छह हजार सालों के अनुभवों की बार-बार पुनरावृत्ति! छह हजार वर्षों से मनुष्य सचमुच दार्शनिकों, धर्मप्रवर्तकों की अवधारणाओं की प्रयोगशाला में ही जीता आया है। इसके आंशिक से अतिवादी असर हुए हैं।

किसी प्रयोगशाला में इंसान सनातनी बना तो किसी से करूणामयी और कोई मनुष्य को जुनूनी बनाने वाली साबित हुई। आम तौर पर मनुष्य को गुलाम, पालतू जैविक जीवन में ढालने के अधिक प्रयास हुए।

सीएम ने गंगा मैया जन्मोत्सव में प्रतिभाग किया

देहरादून/हरिद्वार (सू. वि.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को हरकी पैड़ी पर श्रीगंगा सभा द्वारा गंगा सप्तमी के शुभ अवसर पर अयोजित गंगा मैया जन्मोत्सव में प्रतिभाग किया, जहां उन्होंने मां गंगा की पूजा-अर्चना की एवं मां गंगा का आशीर्वाद प्राप्त करते हुये देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली के लिये मां गंगा से प्रार्थना की।

उल्लेखनीय है कि भारत में गंगा मैया का जन्मोत्सव वैशाख शुक्ल पक्ष की सप्तमी के दिन मनाया जाता है।

गंगा जन्मोत्सव पुष्य नक्षत्र और अमृत सिद्ध योग में मनाया जाता है। इस दिन माता गंगा ब्रह्म लोक से ब्रह्मा जी के कमण्डल से निकलकर, भगवान विष्णु जी के चरणों को धोती हुई, भगवान आशुतोष की जटाओं में आई थी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 योगेन्द्र सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी पल0एल0 शाह, सिटी मजिस्ट्रेट अवधेश कुमार सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ0 जयपाल सिंह चौहान, मीडिया प्रभारी लव शर्मा, गंगा सभा अध्यक्ष प्रदीप झा, महामंत्री तन्मय वशिष्ठ, पुजारी अमित शास्त्री सहित सम्बन्धित अधिकारीगण एवं पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

गंगा पूजन करते सीएम।

मैड संस्था ने टपकेश्वर में चलाया व्यापक सफाई अभियान

देहरादून (संवाददाता)। देहरादून के शिक्षित छात्र समूह मेकिंग अ डिफरेंस बाय बीइंग द डिफरेंस (मैड) ने रविवार को सुबह 6.30 बजे से 10.30 बजे तक टपकेश्वर महादेव मंदिर में चलो टपकेश्वर सफाई अभियान चलाया। इस अभियान में सैकड़ों नागरिकों व विभिन्न संगठनों ने भाग लिया। देहरादून सिविल सोसाइटी में से बीन देयर दून दैट, पराशक्ति, वेस्ट वॉरियर्स, पंख, डीबीएस-एनएसएस, मिशन क्लीन दून, द ह्यूमैनिटेरियन क्लब, आर्यन ग्रुप, संयुक्त नागरिक संगठन, मिलियन डॉटर फाउंडेशन, आगाज, प्राउड पहाड़ी, एसएफआई, आरंभ, आसरा ट्रस्ट, तारा फाउंडेशन, ग्राफिक एरा (मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग) जैसी संस्थाओं के सहयोग से यह सफाई अभियान चलाया गया। इस आयोजन में महापौर सुनील उनियाल गामा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

मैड, 2011 में अपनी स्थापना के बाद से ही, दून घाटी की विलुप्त होती धाराओं के कायाकल्प के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चला रहा है। इस सफाई अभियान का उद्देश्य शहर का ध्यान तमसा नदी की दयनीय स्थिति की ओर आकर्षित करना है, जो देहरादून में शेष स्वच्छ पानी की एकमात्र धारा है। इस क्षेत्र में 300 से अधिक स्वयंसेवकों जब मंदिर परिसर की सफाई करी तो पाया की प्लास्टिक, दीये , कपड़े, कांच के टुकड़े, भगवान की मूर्तियां तथा जलधारा को दूषित करने वाले पदार्थोंकी मात्रा नदी में अधिक है। तमासा नदी की दुर्दशा पर संस्था के सदस्यों ने कहा कि ष्हमें धर्म का पालन करने के पर्यावरण अनुकूल तरीकों पर खुद को शिक्षित करने की जरूरत है, जबकि एक अन्य स्वयंसेवक ने कहा की, स्वयं भगवान शिव भी गंदे परिसर में रहना पसंद नहीं करेंगे। स्थानीय निवासियों ने मंदिर परिसर और शासी निकायों से स्थायी प्रभाव बनाने के लिए नियामक कार्रवाई करने की अपेक्षा व्यक्त की। इसी बीच महापौर ने युवाओं को नदियों के कायाकल्प की दिशा में गतिविधियों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस मेगा सफाई अभियान का उद्देश्य स्थानीय निवासियों और तीर्थयात्रियों की सोच में परिवर्तन लाना भी रहा। सफाई अभियान के साथ साथ डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसका उद्देश्य अपशिष्ट प्रबंधन पर इलाकों के परिप्रेक्ष्य को समझना था, साथ ही तीर्थयात्रियों के साथ अनुवाद स्थापित करना रहा। सभी संगठनों ने 400 बोरी से अधिक कचरे के साथ सफाई अभियान समाप्त किया, तथा कचरे के उचित निस्तारण के लिए मानव श्रृंखला बनाकर नगर निगम की गाड़ियों तक कचरा पहुंचाया गया।

इस अभियान के माध्यम से सरकार और मंदिर अधिकारियों से प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को सक्रिय रूप से शुरू करने का आग्रह भी किया गया। हालांकि विभिन्न माध्यमों से लोगों को पारिस्थितिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक मूल्यों के बारे में जागरूक किया जा रहा है, लेकिन एक स्थायी प्रभाव केवल सरकारी पहलों से ही लाया जा सकता है। सरकार को हितधारकों - उपासकों और पर्यावरण हित को ध्यान में रखते हुए आध्यात्मिक अपशिष्ट प्रबंधन के विकल्प प्रदान करने की आवश्यकता है। इसमें पूजा के कचरे को डंप करने के लिए विशेष स्थान बनाना शामिल किया जा सकता है।

टपकेश्वर मंदिर के पास तमसा नदी में सफाई अभियान चलाते मैड संस्था के कार्यकर्ता।

वीडियो जर्नलिस्ट अनिल नेगी के परिवार को मदद दिलाएगी यूनियन

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड पत्रकार यूनियन की जिला इकाई की बैठक में पत्रकारों के हितों को लेकर कई फैसले लिए गए। बैठक में तय किया गया है की दिवंगत वीडियो जर्नलिस्ट अनिल नेगी के परिवार को आर्थिक सहायता के लिए सीएम से वार्ता जाएगी। पत्रकारों ने पत्रकार हितों में कई सुझाव भी दिए।

उज्जवल रेस्टोरेंट में बैठक जिलाध्यक्ष संतोष चमोली की अध्यक्षता में हुई। यूनियन के संरक्षक नवीन थलेड़ी ने कहा गया कि यूनियन का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन बद्रीनाथ धाम में कराने के लिए विचार किया जा रहा है। कहा कि पत्रकारों के हितों की रक्षा तभी हो सकती है, जब पत्रकारों का संगठन मजबूत हो। जिलाध्यक्ष संतोष चमोली ने प्रस्ताव रखा कि नगर निगम क्षेत्र में रह रहे पत्रकारों को हाउस टैक्स में पूरी तरह से छूट दी जाए।

इसके लिए मेयर सुनील उनियाल गामा से मिलने का निर्णय लिया गया। जिला इकाई में नए सदस्यों को बनाने पर जोर दिया गया। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र कंडारी ने कहा कि दिवंगत पत्रकार अनिल नेगी के परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए सीएम से वार्ता की जाएगी। उपाध्यक्ष संजीव वर्मा ने यूनियन की हर महीने एक बैठक बुलाने का प्रस्ताव रखा।

सचिन-जिगर, ऐश किंग ने संस्कृति में मचाई धूम

देहरादून (संवाददाता)। तुलाज़ इंस्टीट्यूट में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक उत्सव संस्कृति के अंतिम दिन भारतीय संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर, ब्रिटिश-भारतीय गायक ऐश किंग, भारतीय गायिका सुमेधा कर्माहे और इंडियन आइडल सीजन 5 टॉप 3 फाइनलिस्ट और बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर राकेश मैनी ने मनोरंजक प्रस्तुति दी। तुलाज़ के छात्रों ने बाबाजी की बूटी, कुड़ी नू नचने दे, साइबो, सुन साथिया और बाराबादियां जैसे प्रसिद्ध गीतों पर खूब नाच किया और शो का भरपूर आनंद लिया। देहरादून के प्रसिद्ध सेलिब्रिटी एंकर आर्यन मिनोचा कार्यक्रम के एम्सी के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया और कार्यक्रम की भावना को जीवित रखा। संस्कृति 2022 के समापन दिवस के दौरान पहले दिन आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले तुलाज़ और अन्य कॉलेजों के छात्रों को सम्मानित किया गया। तुलाज़ ग्रुप के चेयरमैन सुनील कुमार जैन, सचिव संगीता जैन, कार्यकारी निदेशक सिल्की जैन मारवाह, प्रतीक मारवाह, वाईस प्रेजिडेंट रौनक जैन, और उपाध्यक्ष प्रौद्योगिकी डॉ राघव गर्ग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। अभिषेक शंकर ने सोलो सिंगिंग में प्रथम पुरस्कार जीता, रेड कार्पेट अनुक्रम को फैशन शो में विजेता घोषित किया गया, अभिषेक शंकर ग्रुप ने बैंड प्रदर्शन में पहला स्थान हासिल किया, ग्राफिक एरा के साहिल कथैत को सोलो डांस में विजेता घोषित किया गया, आदर्श और अगुंग सोलो डांस में प्रथम रहे और वहीँ ग्राफिक एरा के इनक्रेडिबल ग्रुप ने ग्रुप डांस में प्रथम पुरस्कार जीता। स्टूडेंट ऑफद ईयर का पुरस्कार बीटेक सीएसई चौथे वर्ष के अमृत झुनझुनवाला को प्रदान किया गया, जबकि क्लब ऑफद ईयर का पुरस्कार विबग्योर ग्रीनेक्स छाया चौधरी और पीआर समन्वयक हर्ष राज और प्रतीक ओझा को प्रदान किया गया। राजीव कुमार, फाल्गुनी गुप्ता, सृष्टि सौम्या, निखिल माथुर और रम्यता सिंह को छात्र उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए। इस वर्ष अटेंडेंस और शिक्षाविदों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को कई अन्य पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर बोलते हुए, वाईस प्रेजिडेंट तुलाज़ ग्रुप रौनक जैन ने कहा, फ्रसंस्कृति 2022 में आज का प्रदर्शन रहस्यपूर्ण और प्राणपोषक रहा। तुलाज़ के छात्र सभी कलाकारों के ऊर्जावान प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध हो गए। इस अवसर पर तुलाज़ इंस्टिट्यूट के निदेशक डॉ. संदीप विजय, रजिस्ट्रार पवन कुमार चौबे, डीन डॉ. निशांत सक्सेना, डॉ रणित किशोर एवं तुलाज़ इंस्टिट्यूट और तुलाज़ इंटरनेशनल स्कूल के अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

अकेशिया पब्लिक स्कूल ने धूमधाम से मनाया मदर्स डे

देहरादून (संवाददाता)। नेहरुग्राम स्थित अकेशिया पब्लिक स्कूल में मदर्स डे बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। कक्षा 7वीं के छात्र रक्षित पोखरियाल ने मातृत्व दिवस के उपलक्ष्य में अपने विचारों से अवगत कराते हुए बताया कि माँ वह होती है जो अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए किसी भी तरह की तपस्या कर सकती है, माँ निस्वार्थ भक्ति और प्रेम का एक आदर्श उदाहरण है। एक माँ का प्यार कोई सीमा नहीं जानता है और सिर्फइंसान ही नहीं जानवर भी मातृत्व की एक मजबूत भावना प्रदर्शित करती है, हमारे जीवन में माँ की भूमिका अन्य की तुलना में अलग और कीमती होती है।

इस अवसर पर कक्षा 7वीं के राहुल ने हिन्दी में और अर्पित ने अंग्रेजी में मातृत्व दिवस पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कक्षा तीसरी व सातवीं के छात्र-छात्राओं द्वारा समूह गान प्रस्तुत किए गए। कक्षा सातवीं की छात्राओं द्वारा एक मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रधानाचार्या पूजा मारिया ने इस मौके, पर बच्चों को सम्बोधित करते हुए सभी को मातृत्व दिवस की हार्दिक बधाई दी। मदर्स डे के अवसर पर सभी बच्चों द्वारा सुन्दर-सुन्दर चित्रकारी की गई, जिसके लिए विद्यालय के प्रबंधक द्वारा बच्चों को प्रमाण पत्र दिए गए। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक मनमीत सिंह ढिल्लन, प्रधानाचार्या पूजा मारिया, उपप्रधानाचार्या ममता रावत सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

विश्व जागृति मिशन चेयरपर्सन के निधन पर शोक जताया

देहरादून (संवाददाता)। विश्व जागृति मिशन के अपर तुनवाला आनंद देव लोक आश्रम में हुए सत्संग में मातृ दिवस में मिशन की चेयरपर्सन वीना धवन के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि दी गई। आचार्य कुलदीप पाण्डेय ने वीना धवन को धर्म और समाज के लिए प्रेरणा श्रोत बताते हुए याद किया। आनन्द धाम आश्रम दिल्ली से आए मिशन संयोजक मनोज शास्त्री ने कहा कि वीना धवन संत सुधांशु महाराज के प्रति गहरी श्रद्धा थी। मिशन के प्रधान सुधीर शर्मा, प्रचार मंत्री भूपेन्द्र चड्ढा, महामंत्री प्रेम भाटिया, पंडित सुखदेव मुनि, तेज कुमार, हरीश भट्ट, विजय खत्री, कैलाश चंद जायसवाल, रमेश थपलियाल, हरेंद्र सिंह पुंडीर, अनिल आंतिवान, गंगाधर जोशी, अमरनाथ आहूजा, सुषमा भाटिया, रमन आचार्य, सुरेन्द्र बागला, सरदारी लाल भल्ला, सोहन लाल बंधु, तनुज नेगी, अनिता अग्रवाल, पूनम सोनी, रमेश वर्मा, प्रवीण वर्मा, रमेश अरोड़ा, आरडी सिंघल, उपेंद्र डंगवाल, रंजना खत्री, मधु माटा, कमला नवानी मौके पर मौजूद रही।

राठ जन विकास समिति के अध्यक्ष शेखरानंद व महासचिव कुलानंद घनशाला बने

देहरादून (संवाददाता)। राठ जन विकास समिति की कार्यकारिणी एवं प्रबंध समिति का सामान्य निर्वाचन महानिदेशक स्वास्थ्य डा. आरके पंत की देखरेख में निर्विरोध सम्पन्न हुआ। जिसमें शेखरानंद रतूड़ी अध्यक्ष, कुलानंद घनशाला महासचिव चुने गए। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया।

यमुना कॉलोनी स्थित मनोरंजन सदन में हुई बैठक में निर्वाचन अधिकारी डा.आरके पंत ने चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न की।

विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले

-देश-विदेश से आये हजारों श्रद्धालु कपाट खुलने के साक्षी बने

बदरीनाथ धाम कपाट खुलने के मौके पर।

चमोली/बद्रीनाथ (संवाददाता)। विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम के कपाट रविवार सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधि विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ के लिए खोल दिए गए। ग्रीष्मकाल के छह माह अब श्रद्धालु भगवान बद्रीविशाल के दर्शन व पूजा अर्चना बद्रीनाथ मंदिर में कर सकेंगे। कपाटोद्घाटन के अवसर पर मंदिर को भव्य रूप से गेंदे के फूलों से सजाया गया था।

सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों एवं जय बद्रीविशाल के जयकारों के साथ देश-विदेश से आये हजारों श्रद्धालु कपाट खुलने के साक्षी बने। श्री बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खुलते ही चारधाम की यात्रा विधिवत शुरू हो गई है। उल्लेखनीय है कि 3 मई को श्री गंगोत्री व श्री यमुनोत्री धाम और 6 मई को श्री केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ के लिए खोले गए। दो साल कोविड के कारण चारधाम यात्रा प्रभावित रही। लेकिन इस बार कपाट खुलने के दौरान से ही भारी संख्या में श्रद्धालु व भक्तगण चार धामों में पहुंचे है तथा यह सिलसिला लगातार जारी है। बद्रीनाथ धाम में कपाटोद्घाटन के अवसर पर श्रद्धालु व भक्तजन बीती देर रात से ही भगवान बद्रीविशाल के दर्शन करने हेतु कतार पर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं द्वारा बारी बारी से भगवान बद्रीविशाल के दर्शन किये। इस अवसर पर श्री बद्रीनाथ धाम के मुख्य पुजारी रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी, नायब रावल अमरनाथ नंबूदरी, धर्माधिकारी आचार्य भुवन चंद्र उनियाल, बद्री केदार मंदिर सामिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, उपाध्यक्ष किशोर पंवार, विधायक बद्रीनाथ राजेन्द्र भंडारी, पूर्व विधायक महेंद्र भट्ट, डीजीपी अशोक कुमार, आशुतोष डिमरी, वीरेंद्र असवाल, हरीश सेमवाल,जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, एसपी श्वेता चौबे, सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कुबेर जी की डोली रात्रि प्रवास के लिए बामणी गांव पहुंची थी। रविवार को सुबह पांच बजे कुबेर जी की डोली ने बदरीनाथ मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश किया। बदरीनाथ-केदरनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, उपाध्यक्ष किशोर पंवार, पूर्व विधायक महेंद्र भट्ट, बदरीनाथ के मुख्य कार्याधिकारी बीडी सिंह के साथ ही अन्य बीकेटीसी कर्मचारियों व तीर्थयात्रियों ने रावल, शंकराचार्य गद्दीस्थल और गाडू घड़ा का फूल-मालाओं और बदरी विशाल के जयकारों के साथ स्वागत किया।

दिल्ली के पर्यटक को डूबने से बचाया

ऋषिकेश (संवाददाता)। त्रिवेणी घाट पर स्नान के दौरान दिल्ली का एक पर्यटक डूबने लगा। इस बीच घाट पर मौजूद लोगों के शोर मचाने पर आपदा राहत दल और जल पुलिस ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। पर्यटक को गंगा से सकुशल बाहर निकाल लिया।

त्रिवेणी घाट चौकी इंचार्ज जगत सिंह ने बताया दिल्ली के पर्यटकों का एक दल ऋषिकेश घूमने आया है। दल के लोग त्रिवेणी घाट पर स्नान कर रहे थे। इनमें से आनंद राज (18) पुत्र बालमुकुंद चौधरी निवासी हरिनगर, मायापुरी, दिल्ली गंगा के तेज बहाव में चला गया और डूबने लग गया। युवक को डूबते देख घाट पर मौजूद लोगों ने मदद के लि?ए शोर मचाना शुरू कर दिया। घाट के पास मौजूद आपदा प्रबंधन दल और जल पुलिस की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर युवक को पानी से सकुशल बाहर निकाल लिया। टीम में रवि वालिया, महावीर नेगी और हरीश गुसाईं शामिल रहे।

आसन नदी के तटों की सफाई की

देहरादून (संवाददाता)। नव नीर अरण्य वसुधा समिति के सदस्यों ने बडोवाला में आसन नदी के तटों पर पर स्वच्छता अभियान चलाया।

सदस्यों ने यहां जमा कूड़े करकट को एकत्र कर नष्ट किया। इसके साथ ही आम लोगों को भी नदियों की स्वच्छता का संदेश दिया। लोगों से कहा कि नदियों के आसपास गंदगी न फैलाएं। सफाई अभियान में एडवोकेट अजय पैन्यूली, वाणी विलास गैरोला, गणेश प्रसाद काला, सुनील प्रसाद, आचार्य श्याम सुंदर, रविंद्र सिंह, श्याम सिंह, विनय दीप, जितेंद्र सिंह, कुलभूषण, खेमचंद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

गंगा सप्तमी पर हजारों श्रद्धालुओं ने किए मां गंगा के श्रृंगार दर्शन

उत्तरकाशी (संवाददाता)। विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम में गंगा सप्तमी अर्थात मां गंगा का जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर तीर्थ पुरोहितों की ओर से मां गंगा की प्राचीन निर्वाण मूर्ति का महाभिषेक करने के बाद भव्य श्रृंगार किया गया। जिसको देखने के लिए मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही।

इसके बाद अब देश विदेश से आने वाले श्रद्धालु लक्ष्मी पूजन व कपाट बंद होने तक गंगोत्री धाम में ही मां गंगा के श्रृंगार दर्शन कर सकते हैं।

अक्षय तृतीय पर गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के बाद हर वर्ष छठवें दिन गंगा सप्तमी मनाई जाती है। माना जाता है कि इसी दिन गंगा का जन्म हुआ है।

रविवार को भी गंगा सप्तमी के पावन पर्व पर विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम व मां गंगा के शीतकालीन प्रवास मुखवा स्थित मार्कण्डेय मंदिर में सुबह से ही प्रातरू विशेष पूजा-अर्चना शुरू हो गई थी। गंगोत्री में मां गंगा की मूर्ति को महाभिषेक करवाने के बाद उसका भव्य श्रृंगार करवाया गया। इसके बाद मंदिर में गंगा लहरी और गंगा सहस्त्रनाम पाठ हुआ।

श्रृंगार के बाद भक्तों ने मां गंगा के श्रृंगार दर्शन किए। गंगोत्री मंदिर के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि गंगा सप्तमी, गंगा मां का जन्मोत्सव दिन है। रविवार सुबह 9.5 बजे गंगा जी की भोग मूर्ति को आभूषण पहनाए गए। कपाट बंद होने तक श्रद्धालु गंगोत्री में उत्सव मूर्ति के दर्शन कर सकेंगे। इधर गंगा के मायके मुखवा गांव से भी समेश्वर देवता की डोली के साथ मार्कण्डेय तक कलश यात्रा निकाली गई। यह विशेष पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया।

उत्तराखंड के सहकारी बैंकों में लागू होगा गुजरात मॉडल: धन सिंह रावत

-सहकारिता मंत्री ने गुजरात के 'मॉडल कॉपरेटिव विलेज' प्रोजेक्ट की ली जानकारी

-गुजरात के अधिकारियों से साझा की राज्य में संचालित सहकारी क्षेत्र की विभिन्न योजनाएं

कार्यक्रम के दौरान मंत्री धन सिंह रावत व अन्य।

गुजरात/देहरादून (सू. वि.)। गुजरात स्थिति नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में आज सहकारिता मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने गुजरात राज्य सहकारी बैंक एवं नाबार्ड द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने गुजरात राज्य सहकारी बैंकों के प्रॉफिट मॉडल एवं बैंकों के एनपीए कम करने की रणनीति को भी जाना।

साथ ही नाबार्ड एवं गुजरात राज्य सहकारी बैंक द्वारा संचालित 'मॉडल कॉपरेटिव विलेज' पायलट प्रोजेक्ट के बारे में भी जानकारी हासिल की। राज्य में सहकारी बैंकों में एनपीए कम करने के लिए गुजरात मॉडल को लागू किया जायेगा। उन्होंने सहकारी क्षेत्र की बेहतरी के लिये दोनों राज्यों के मध्य भविष्य में जानकारी साझा करने का सुझाव बैठक में रखा।

सूबे के सहकारिता मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि गुजरात राज्य सहकारी बैंकों की भांति उत्तराखंड के सहकारी बैंको को भी प्रॉफिट में लाया जायेगा, इसके लिए राज्य में भी गुजरात मॉडल पर काम किया जायेगा। उन्होंने बताया कि गुजरात प्रवास के दौरान एक बैठक में नाबार्ड एवं गुजरात राज्य सहकारी बैंक द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं का प्रस्तुतिकरण दिया गया, जिसमें बताया गया कि गुजरात राज्य सहकारी बैंकों में नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) को कम करने एवं बैंकिंग प्रणाली में व्यापक सुधार के लिए ठोस प्रयास किये गये जिसके उपरांत विगत 10 वर्षों से गुजरात के सहकारी बैंक मुनाफे में हैं। सहकारिता मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड में भी पिछले पांच वर्षों में कई सहकारी बैंकों ने बेहत्तर प्रदर्शन कर शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो बैंक घाटे में रहे उनकी स्थिति में सुधार कर एवं एनपीए स्तर को कम करके उन्हें प्रॉफिट में लाया जायेगा। उन्होंने बताया कि नाबार्ड एवं गुजरात राज्य सहकारी बैंक द्वारा गुजरात में 'मॉडल कॉपरेटिव विलेज' पायलट प्रोजेक्ट संचालित किया जा रहा है। जिसे केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 10 अप्रैल 2022 को लांच किया गया। इस महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट के अंतर्गत छह गांव एवं छह पैक्स को गोद लेकर उनका विकास किया जा रहा और गांव के प्रत्येक परिवार को आय के साधन उपलब्ध कराने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की योजना राज्य में भी संचालित की जायेगी।

दिवंगत आत्माओं की अस्थियां गंगा में विसर्जित की

रुडकी(संवाददाता)। सोलानी नदी श्मशान घाट समिति ने अज्ञात दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अस्सी अस्थि कलश हरिद्वार गंगा तट पर विसर्जन के लिए ले गए। हरिद्वार प्रस्थान से पूर्व पंडित सुमित मिश्रा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई। तदुपरांत समिति के संरक्षक व मेयर गौरव गोयल एवं श्मशान घाट समिति के सदस्य अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार के लिए रवाना हुए। अज्ञात व्यक्तियों की अस्थियों को पूरी विधि-विधान के साथ गंगा में विसर्जित किया गया। मेयर गौरव गोयल ने कहा कि इन सभी अज्ञात व्यक्तियों की अस्थियों का हिंदू धार्मिक परंपराओं के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया।

कार की टक्कर से बाइक सवार संविदा कर्मी की मौत

देहरादून। ड्यूटी करने के बाद रविवार सुबह घर लौट रहे संविदा कर्मी को राइंका हरबर्टपुर के पास एक कार ने टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हायर सेंटर में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

वन विभाग में कार्यरत संविदा कर्मी निशांत चौधरी 34 पुत्र रामेश्वर निवासी धर्मावाला थाना सहसपुर ढालीपुर में तैनात था।

रात्री ड्यूटी के बाद वह रविवार सुबह को घर लौट रहा था। तभी एक कुत्ता निशांत पर झपट गया। किसी तरह से निशांत ने स्वयं को आवारा कुत्ते से बचाया, लेकिन इतने में तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों और पुलिस ने निशांत को लेहमन अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। चौकी प्रभारी हरबर्टपुर पंकज तिवारी ने बताया कि शव का पंचनामा पोस्ट मार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, निशांत की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक मोहन राजा द्वारा आर. के. प्रिन्टर्स 43/1, धर्मपुर माता मन्दिर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर 95 बी शुभम विहार, गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया

सम्पादक

मोहन राजा

फोन नं0- 01334-212184

Mob- 9997426600

कानूनी सलाहकार

एडवोकेट : के. पी. सिंह (देहरादून)

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून होगा

e-mail

kkalamkasauda@yahoo.in